पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय
दिसंबर, 2020 माह की प्रमुख उपलब्धियां

<u>पत्तन</u>

पत्तन कार्य निष्पादन

(i) जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) में दिसंबर -2020 के माह के दौरान सँभाला गया कुल यातायात 6.3 मिलियन टन था, जबकि दिसंबर -2019 में यह 5.79 मिलियन टन था, जोकि पिछले साल के इसी माह के कुल यातायात की तुलना में 10.04% की वृद्धि दर्शाता है। इस माह के यातायात में 0.71 मिलियन टन बल्क कार्गो शामिल है, जबकि पिछले साल के इसी माह के दौरान यह 0.63 मिलियन टन था। टीईयू के संदर्भ में, जेएनपीटी ने दिसंबर -2020 के महीने के दौरान 459,920 टीईयू को संभाला, जिससे पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में कंटेनर यातायात में 9.90 % की वृद्धि दर्ज की गई। भारत के प्रमुख कंटेनर पत्तन, जेएनपीटी ने छठवें प्रतिष्ठित अटल शस्त्र मार्केनोमी पुरस्कार, 2020 में लगातार तीसरी बार 'भारत के सर्वश्रेष्ठ वैश्विक पत्तन' का पुरस्कार जीतकर एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम दर्ज की।

(ii) दिनांक 17-12-2020 को नव मंगलूर पत्तन न्यास में एकीकृत पत्तन प्रचालन प्रणाली (आईपीओएस) को लाइव कर दिया गया है।यह नई एकीकृत पत्तन प्रचालन प्रणाली (आईपीओएस) समाधान अत्याधुनिक प्रचालन मॉड्यूल प्रदान करता है, जोकि पत्तन उपयोगकर्ताओं के लिए अत्यधिक परस्पर संवादात्मक है और इस तरह ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस को प्रोत्साहित करता है।

(iii) कामराजर पत्तन ने दिसंबर 2020 में 28,040 टीईयू की उच्चतम कंटेनर मात्रा को संभाला, जिसमें ट्रांसशिपमेंट के 10,842 टीईयू शामिल थे ।

<u>सागरमाला</u>

राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (एन एम एच सी)

गुजरात सरकार ने इस मंत्रालय को टोकन दर पर 99 वर्षों के लिए ग्राम सारागवाड़ा में 375 एकड़ भूमि पट्टे पर हस्तांतरित की है। राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर, लोथल, गुजरात, भारत के विकास, निर्माण और संचालन और रखरखाव के लिए पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय, गुजरात सरकार और इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईपीआरसीएल) के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन(एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। नए मास्टर प्लान की तैयारी के लिए परामर्शदाता को लगाया गया है। इसके साथ ही,

ईएफसी निविदाओं के लिए बोलियों को आमंत्रित करने के लिए अपेक्षित डिजाइन / इंजीनियरिंग दस्तावेज प्राप्त हुए हैं। दूसरे, एनएमएचसी परियोजना के सफल समापन / कमीशनिंग और उसके मूल्यांकन तक प्रबंधन परामर्श प्रक्रियाधीन है। आईपीआरसीएल को जारी करने हेतु राष्ट्रीय समुद्री विरासत सोसायटी को निधियों की पहली किश्त जारी कर दी गई है।

पश्चिमी डॉक, पारादीप पोर्ट

मंत्रिमंडल ने 3004.63 करोड़ रु की कुल अनुमानित लागत के साथ पीपीपी मोड के तहत पारादीप पत्तन पर पश्चिमी डॉक की आंतरिक बन्दरगाह सुविधाओं को गहरा करने और उन्हें इष्टतम बनाने की परियोजना को मंजूरी दे दी है। इसके अंतर्गत पश्चिमी डॉक बर्थ, चैनल व बर्थों के सामने कैपिटल ड्रेजिंग और अन्य सभी सहायक उपकरण और सुविधाएं शामिल हैं। प्रस्तावित परियोजना में 12.50 एमटीपीए क्षमता प्रत्येक के दो चरणों में 25 एमटीपीए की अंतिम क्षमता के साथ केप आकार के जलयानों को संभालने के लिए पश्चिमी डॉक बेसिन के निर्माण की परिकल्पना की गई है। यह परियोजना दानेदार स्लैग और तैयार इस्पात उत्पादों के निर्यात के अलावा, कोयला और चूना पत्थर के आयात की आवश्यकता को पूरा करेगी।

<u>नौवहन</u>

भारतीय नौवहन निगम

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के 33 मिलियन यू एस डॉलर कार्यशील पूंजी पोर्टफोलियो को एसबीआई के माध्यम से चुकाया गया है और 10 बीपीएस (180 बीपीएस से 170 बीपीएस तक) की कमी हुई। इसके अलावा, रोल ओवर के दौरान बैंक ऑफ इंडिया के 7 मिलियन यू एस डॉलर पोर्टफोलियो पर 10 बीपीएस की दर में कमी हासिल की गई है। इस प्रकार, वित्त लागत पर 40,000 यू एस डॉलर (लगभग 30 लाख रुपये) की कुल वार्षिक बचत प्राप्त की गई है ।

<u>अंतर्देशीय जल परिवहन</u>

(i)इनलैंड एंड कोस्टल शिपिंग लिमिटेड)भारतीय नौवहन निगम की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी (द्वारा आईडब्ल्यूएआई के पोत एमवी रबींद्र नाथ टैगोर का उपयोग करके दिनांक 28.12.2020 को वाराणसी और हल्दिया के बीच निर्धारित सेवा का परीक्षण प्रचालन द्वारा शुरू किया गया था।

(ii) दिसंबर, 2020 के दौरान अंतर्देशीय जल पारगमन और व्यापार मार्ग (पीआईडब्ल्यूटी एंड टी) से होकर 2.56 लाख मीट्रिक टन कार्गो भेजा गया ।

(iii) दिसंबर -2020 माह के दौरान अंतर्देशीय जल पारगमन और व्यापार मार्ग पर कुल 543 आवक और जावक अनुमतियां जारी की गईं।

(iv) अंतर्देशीय जलमार्ग परियोजनाओं में रूसी भागीदारी आमंत्रित करने के उद्देश्य से 4 दिसंबर, 2020 को "रूसी कंपनियों के लिए अंतर्देशीय जलमार्गों में परियोजनाएं और प्रौद्योगिकियां"विषय पर पर एक भारत-रूस बी 2 बी वेबिनार आयोजित किया गया ।

(v) 14 दिसंबर, 2020 को "अंतर्देशीय जलमार्गों में परियोजनाएं और प्रौद्योगिकियां" विषय पर भारत और अमेरिका के बीच सहयोग पर एक वर्चुअल सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें अमेरिकी पक्ष द्वारा आईडब्ल्यूएआई के 10-15 अधिकारियों के संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रशिक्षण के लिए पेशकश की गई।